THRU the BIBLE



कैसे
धर्मग्रंथ संलग्नता
का उपयोग करे



शुरू करने से पहले प्रार्थना करें

प्रत्येक पाठ को शुरू करने से पहले, प्रभु से प्रार्थना करें कि वह इसका उपयोग आपको अनुग्रह में और हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के ज्ञान में बढ़ाने के लिए करें।



बाइबल का अंश पढ़ें

जब आप अंश पढ़ें तो परमेश्वर को अपनी आँखें खोलने और उसके वचन की आपकी समझ को गहरा करने के लिए आमंत्रित करें।



पवित्रशास्त्र संलग्नता मार्गदर्शिका का अध्ययन करें

आपके द्वारा पढ़े गए अंश के अर्थ, संदर्भ और व्यक्तिगत अनुप्रयोग पर चिंतन करने के लिए प्रदान की गई पवित्रशास्त्र संलग्नता अध्ययन का अध्ययन करें।



पवित्रशास्त्र संलग्नता सवालों पर चिंतन करें

प्रत्येक शिक्षण के बाद, व्यक्तिगत चिंतन और अनुप्रयोग के लिए सूचीबद्ध पवित्रशास्त्र संलग्नता सवालों पर विचार करें और आपके छोटे समूह चर्चाओं के लिए.



डॉ. जे. वर्नोन मैकगी की शिक्षा को सुनें

यदि आप इस अंश पर संपूर्ण ऑडियो शिक्षा सुनना चाहते हैं, तो ttb.bible पर जाएं या अपनी भाषा में THRU the BIBLE ऐप डाउनलोड करने के लिए अंतिम पृष्ठ पर दिए गए QR कोड को स्कैन करें।



हमारे सुझाए गए रोकने और शुरू करने के आइकन का इस्तेमाल करें। यह आपको सामग्री को सोच-समझकर और अपनी लय में आगे बढ़ाने में मदद करेगा।

आपके विचार के लिए

इस धर्मग्रंथ अध्ययन का उपयोग कैसे करें पृष्ठ 2

आधा सच
(उत्पत्ति 20) पृष्ठ 4

अनसुलझा पाप

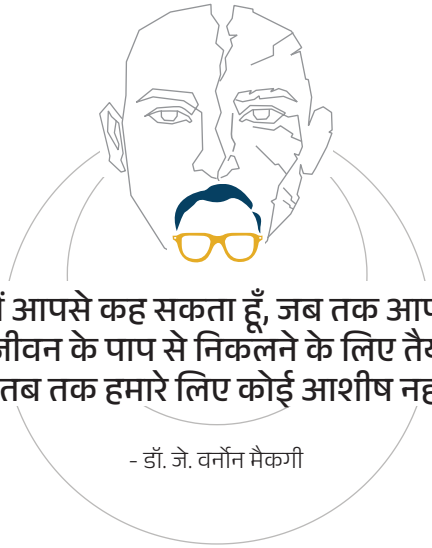
पवित्र और विश्वासयोग्य ईश्वर,

जब हम इस अध्याय में आते हैं, तो हमें ईमानदार हृदय दीजिए। हमें न केवल हमारी स्पष्ट असफलताएँ दिखाइए, बल्कि वे तौर-तरीके भी दिखाइए जिन्हें हम बहाने बनाना सीख चुके हैं। हमें अपने आप पर पूरा भरोसा रखना और उन सभी बातों से ईमानदारी से निपटना सिखाइए जो हमारे जीवन में आपके आशीष को रोकती हैं। हमें अपने सामने खराई से चलने के लिए तैयार कीजिए।

यीशु के नाम में, आमीन।

आधा सच

उत्पत्ति 20



"क्या मैं आपसे कह सकता हूँ, जब तक आप और मैं अपने जीवन के पाप से निकलने के लिए तैयार नहीं होते, तब तक हमारे लिए कोई आशीष नहीं है।"

- डॉ. जे. वर्नोन मैकगी

उत्पत्ति 20: विषय सारांश

स्थिति

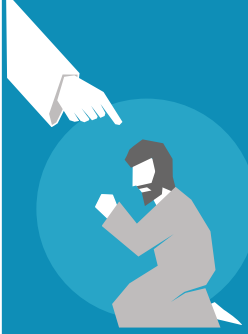
अब्राहम ने **फिर से वही झूठ बोला।**

सारा **एक बार फिर खतरे में पड़ गई।**

और **एक बार फिर, परमेश्वर को हस्तक्षेप करना पड़ा।**



कार्यवाही



परमेश्वर को इस समय अब्राहम को एक विशेष और उद्देश्यपूर्ण शिक्षा सिखाना चाहता था।

परिणाम

अब्राहम फिर से पाप में गिर गया, और परमेश्वर ने ऐसा होने दिया।

इससे पहले कि **परमेश्वर नया जीवन लाए।**

उसने अब्राहम के **पाप को सम्बोधित करता है**



उत्पत्ति 20, पहली नज़र में, एक ऐसा अध्याय लग सकता है जिसे हम छोड़ सकते हैं, जो बहुत जाना-पहचाना, असहज करने वाला, या यहाँ तक कि दोहराव वाला है। फिर भी परमेश्वर यहाँ एक उद्देश्य के साथ काम कर रहा है। अब्राहम की असफलता में भी, वह उसे तैयार कर रहा है, और अपनी प्रतिज्ञा को पूरा करने से पहले छिपे हुए पाप को प्रकाश में ला रहा है।

अब्राहम दक्षिण की ओर गरार में चला गया, उस स्थान से और दूर जहाँ परमेश्वर ने आखिरी बार उससे बात की थी। और एक बार फिर, डर उसके फ़ैसलों को आकार देने लगा। उसने गरार के राजा से कहा कि सारा उसकी बहन है। यह वही कहानी थी जो उसने सालों पहले मिस्र में कही थी। वही रणनीति। वही वही तर्क। वही डर।



यह कोई क्षणिक चूक नहीं थी;
यह एक आदत थी।

सारा, जो अब लगभग नब्बे वर्ष की है, उसे फिर से एक अन्य शासक के घराने में ले लिया जाता है। एक बार फिर, परमेश्वर हस्तक्षेप करता है, क्योंकि वह अपनी वाचा की प्रतिज्ञा को दूषित नहीं होने देगा।

यह आश्चर्यजनक है कि विश्वास के पुरुष अब्राहम यहाँ एक अन्यजाति राजा अबीमेलेक की तुलना में आत्मिक रूप से अधिक दुर्बल दिखाई देता है। अबीमेलेक नैतिक संवेदनशीलता दिखाता है, परमेश्वर की चेतावनी का उत्तर देता है, और सत्यनिष्ठा के साथ कार्य करता है। दूसरी ओर, अब्राहम यह कहकर अपना पक्ष रखता है कि उसने यह समझा था कि उस स्थान में परमेश्वर का भय नहीं है, और राजा सारा के कारण उसे मार डालेगा।

परमेश्वर का भय मानने का क्या अर्थ है? आपको क्या लगता है कि इस क्षण में परमेश्वर का भय सबसे कम किसने माना?

वह स्वीकार करता है कि उसका यह धोखा जानबूझकर किया गया था। यह कोई अचानक लिया गया फैसला नहीं था। बहुत पहले, जब परमेश्वर ने पहली बार उसे बुलाया था, तब अब्राहम और सारा ने एक योजना बनाई थी कि वे जहाँ कहीं भी जाएँगे, वह कहेगी कि वह उसका भाई है।

यद्यपि अब्राहम और सारा आपस में रिश्तेदार थे, फिर भी उन्होंने यह छिपाया कि वे विवाहित थे। यह विश्वास से नहीं, बल्कि डर से बनाई गई एक योजना थी।खुद को बचाने के लिए गढ़ा गया एक आधा सच।



क्या आपके जीवन में कोई आधा-सच है? क्या आपने स्वयं को यह विश्वास दिला दिया है कि वे सच हैं?

मैक्गी का मानना है कि यह अध्याय एक मुख्य कारण से मौजूद है: अब्राहम और सारा तब तक इसहाक को प्राप्त नहीं कर सकते थे जब तक कि इस पाप का समाधान नहीं हो जाता।

यह सत्य आज भी कायम है।

परमेश्वर **अपने वादों को वापस नहीं लेता**, लेकिन **वह उनके आनंद को तब तक के लिए टाल सकता है** जब तक कि उसके लोग **सत्य के मार्ग पर चलने के लिए** तैयार न हो जाएं।



पवित्र शास्त्र लगातार इस सिद्धांत को सिखाता है। **पश्चाताप के बाद आशीष मिलती है। अंगीकार के बाद पुन: स्थापना होती है। सत्य के बाद विकास होता है।** पौलुस बाद में कुरिन्थियों की कलीसिया को लिखता है कि जब विश्वासी खुद को जाँचने में असफल होते हैं, तो परमेश्वर दंड देता है - नष्ट करने के लिए नहीं, बल्कि पुन:स्थापित करने के लिए। (1 कुरिन्थियों 11:28-32)

परमेश्वर के घर से ही न्याय शुरू होता है, क्योंकि परमेश्वर को अपने लोगों की इतनी परवाह है कि वह उन्हें वैसा ही नहीं रहने देना चाहते।



यह अध्याय हमें शांतिपूर्वक स्मरण दिलाता है कि परमेश्वर केवल बाहरी आज्ञाकारिता में रुचि नहीं रखता। वह हृदय की ईमानदारी चाहता है। वह **धैर्यवान** है, परन्तु साथ ही **उद्देश्यपूर्ण** भी है।

और कभी-कभी जो विलंब हम अनुभव करते हैं, वह **परमेश्वर द्वारा अपनी प्रतिज्ञा को रोककर रखना** नहीं होता, बल्कि इसलिए होता है कि परमेश्वर हमें किसी ऐसी बात को **समर्पित** कर देने के लिए बुला रहा होता है जिसे हम बहुत लंबे समय से ढो रहे हैं।

इसहाक के जन्म लेने से पहले, अब्राहम को उस चीज़ का सामना करना होगा जिससे वह बचता आ रहा है।



इससे पहले कि परमेश्वर हमारे जीवन में नया फल लाए, वह अक्सर हमसे अपनी चिंताओं को उसे सौंप देने के लिए कहता है।

इसके बारे में सोचे

सवाल 1

आप अपने जीवन में कहाँ परमेश्वर पर पूरी तरह भरोसा करने के बजाय डर के आगे घुटने टेक रहे हैं?

सवाल 2

क्या आपके जीवन में ऐसे पापमय तरीके या समझौते हैं जिन्हें आपने इसलिए स्वीकार कर लिया है क्योंकि वे जाने-पहचाने या सुरक्षित महसूस होते हैं?

लागू करें

सवाल 3

परमेश्वर आपके जीवन में ऐसे कौन से आधे सचों या पापों का सामना करने के लिए कह रहा है, जिनके आगे डर के कारण घुटने टेकने के बजाय आप उनका सामना करें, ताकि आप उसकी आशीष पा सकें?

जो लागू करना है उसका चित्र बनाये

इससे आपको क्या सीख मिली?

अपने जीवन में परमेश्वर की समझ को लागू करना।

मैक्गी का सुविचार



"कलीसिया और कई विश्वासियों के जीवन से आशीषों को रोक दिया गया है क्योंकि हम अपने जीवन के पापों से निपटने के लिए तैयार नहीं हैं। उत्पत्ति की पुस्तक के बीसवें अध्याय में यहाँ एक बहुत बड़ा आत्मिक सबक है।"

THRU the BIBLE

हमारे संसाधनों तक पहुँचें

THRU the BIBLE ऐप डाउनलोड करें और ऑडियो बाइबल शिक्षाएँ सुनें
200 से अधिक भाषाओं में उपलब्ध है।

ttb.bible पर जाएँ

स्क्रिप्चर एंगेजमेंट पुस्तक में अधिक खंडों वाली हमारी इंटरैक्टिव डिजिटल फ्लिप पुस्तक खोजें हमारी वेबसाइट पर

ttbsa.org पर जाएँ